गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल,चास(बोकारो)

परियोजना कार्य-१८(सत्र-2020-21)

कक्षा- दूसरी **दिनांक-२४/०८/२०२०**

विषय -हिंदी **पाठ-1 वीर तुम बढ़े चलो**

1.शब्दार्थ लिखिए-

क) ध्वज- झंडा

ख) वीर- बहादुर

ग) प्रण -प्रतिज्ञा

घ) धीरज -धैर्य , हिम्मत

ङ) डटो - खड़े रहो , अड़े रहो

च) सिंह - शेर

छ) प्रातः – सुबह

2. लिखित(प्रश्न – उत्तर)

क) कवि तथा कविता का नाम लिखें।

उत्तर- द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी तथा कविता का नाम वीर तुम बढ़े चलो।

ख) कवि ध्वज लेकर किसे आगे बढ़ने के लिए कह रहे हैं?

उत्तर- कवि ध्वज लेकर वीरों को आगे बढ़ने के लिए कह रहे हैं।

ग) 'वीर तुम बढ़े चलो' कविता में कवि क्या संदेश दे रहे हैं ?

उत्तर- 'वीर तुम बढ़े चलो' कविता में कवि यह संदेश दे रहे हैं कि देश के वीर हाथ में ध्वज लेकर बिना डरे, बिना रुके आगे बढ़ते रहे।

घ) कवि ने कब निडर होकर डटने की बात की है?

उत्तर- कवि ने तब निडर होकर डटने की बात की है जब सामने पहाड़ हो या सिंह की दहाड़ हो।

ङ) वीरों को किस - किस की तरह बढ़ना चाहिए?

उत्तर- वीरों को सूर्य और चंद्र की तरह बढ़ना चाहिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क) हमारे ध्वज में **तीन** रंग हैं। (तीन/चार)

ख) इस कविता में दल **बच्चों** का है।(बुजुर्गों/ बच्चों)

ग) सामने पहाड़ हो **<u>सिंह की</u>** दहाड़ हो।(ज़ोर की /सिंह की)

घ) 'वीर तुम बढ़े चलो' कविता के कवि **<u>द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी</u>** हैं।

(महादेवी वर्मा/ द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी)

ङ) रत्न पाने के लिए हमें **<u>प्रयत्न</u>** करना पड़ता है।(आलस /प्रयत्न)

<u>4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें-</u>

क) ध्वज – हमारे देश के ध्वज में तीन रंग हैं।

ख) निडर- कवि ने वीरों को निडर होकर आगे बढ़ने के लिए कहा है।

ग) संग – कवि ध्वज के संग आगे बढ़ने के लिए कह रहे हैं।

घ) मातृभूमि- मातृभूमि की रक्षा के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए।

ङ) अन्न- किसान खेत में हल जोत कर अन्न उगाता है।

<u>5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-</u>

क) बाल × वृद्ध

ख) जल ×थल

ग) रुकना × चलना

घ) प्रकाश ×अंधेरा

ङ) वीर ×कायर

च) आकाश × धरती

छ) प्रातःकाल ×सायंकाल